PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Jagran, Delhi
Thu, 25 May 2017, Page 12
Width: 16.59 cms, Height: 20.07 cms, a4, Ref: 30.2017-05-25.128

गन्ना का मूल्य 25 रुपये बढ़कर 255 रुपये प्रति क्विंटल घोषित

चीनी सस्ती रहने से दो साल से नहीं बढ़ी थी कीमत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : देश के गन्ना किसानों को केंद्र सरकार ने तोहफा दिया है। 2017-18 के गन्ना वर्ष के लिए गन्ने का उचित व लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 255 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। यह मूल्य पिछले साल के मुकाबले 25 रुपये प्रति क्विंटल यानी 10.87 फीसद अधिक है। चीनी बाजार में भारी मंदी होने की वजह से पिछले दो सालों से गन्ने के मूल्य में कोई वृद्धि नहीं की गई थी। गन्ना मूल्य 230 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रहा।

घोषित यह गन्ना मूल्य न्यूनतम गारंटी है, राज्य सरकारें समर्थित मूल्य (एसएपी) इससे ऊंची दर पर घोषित करती है जिसका भुगतान किसानों को मिलों की ओर से किया जाना अनिवार्य होता है। यह मूल्य 9.5 फीसद रिकवरी मानकर तय किया गया है। गन्ने में इससे ज्यादा रिकवरी होने पर मूल्य 2.68 रुपये प्रति अंक बढ़ जाएगा। चालू गन्ना वर्ष में उत्पादन कम होने की वजह से चीनी की कीमतें तेज हो गई हैं। हालांकि सरकार ने कीमतों को काबू में करने के लिए एक लाख टन चीनी आयात करने की अनुमति दी है।

उधर, गन्ना खेती की लागत में लगातार वृद्धि से किसानों की परेशानी बढ़ रही थी। इसे देखते हुए सरकार ने गन्ना के एफआरपी में वृद्धि का फैसला किया है।

नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक में बुधवार को कैबिनेट बैठक के बाद बाहर आते वित्त मंत्री अरुण जेटली, ऊर्जा मंत्री पीयूष गोयल, जितेंद्र सिंह और अन्य • प्रेट्र

गन्ना मूल्य के लिए कृषि लागत व मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों के आधार पर सरकार ने राज्यों के साथ परामर्श के बाद यह फैसला लिया है।

मूल्य तय करने के लिए उत्पादन, लागत, मांग-आपूर्ति की ताजा स्थिति, घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजार में तुलनात्मक मूल्य को आधार बनाया जाता है। गन्ना मूल्य के बकाया भुगतान को काफी कम कर दिया गया है। चालू 2016-17 में गन्ना बकाया पिछले साल के औसत बकाया के मुकाबले सबसे कम रहा।